6. मानचित्र – अध्ययन

Short Answer Type

1. तल चिह्न और स्थानिक ऊँचाई में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर - वास्तविक सर्वेक्षण द्वारा समुद्रतल से किसी स्थान की मापी गई ऊँचाई को तल चिह्न कहा जाता है। समुद्रतल से किसी स्थान की मापी गई ऊँचाई भवनों, पुलों, खंभों, पत्थरों जैसी स्थायी वस्तुओं पर प्रदर्शित की जाती है। मानचित्र में इसे प्रदर्शित करने के लिए ऊँचाई फीट अथवा मीटर में लिखे जाने की परिपाटी है। इसके विपरीत, तल चिह्न की सहायता से किसी स्थान की मापी गई ऊँचाई स्थानिक ऊँचाई कहलाती है। स्थानिक ऊँचाई मानचित्र में स्थान विशेष पर अंकों में लिखी जाती है।

2. स्तर रंजन विधि द्वारा उच्चावच कैसे प्रदर्शित किया जाता है ? स्पष्ट करें।

उत्तर - उच्चावच प्रदर्शित करने के लिए स्तर रंजन विधि का उपयोग सामान्यतः एटलस एवं दीवार मानचित्रों में किया जाता है। इस विधि में स्थल के विभिन्न रूपों को अलग-अलग रंगों से दिखाया जाता है. - मैदानी भाग को हरे रंग से, मरुभूमि को पीले रंग से, पहाड़ एवं पठार को भूरे रंग या भूरे के साथ हलके गुलाबी रंग से, जलीय भाग को नीले रंग से तथा बर्फीले क्षेत्र को सफेद रंग से। जलीय भाग के लिए नीले रंग की आभा/गहनता गहराई के अनुसार बढ़ती जाती है।

3. पर्वतीय छायाकरण विधि का वर्णन करें।

उत्तर - पर्वतीय छायाकरण विधि उच्चावच प्रदर्शित करने की एक विधि है जिसमें प्रकाश और छाया की मदद से उच्चावच को दिखाया जाता है। इस विधि में भू - भाग पर उत्तर-पश्चिम कोने से प्रकाश पड़ने की कल्पना की जाती है और उसी के अनुरूप छायाकरण किया जाता है। प्रकाश नहीं पड़नेवाले भाग को छाया के अनुरूप काला कर दिया जाता है। ऊँचाई -निचाई के आधार पर प्रकाश और छाया की कल्पना कर किसी क्षेत्र को सफेद एवं किसी क्षेत्र को काला कर दिया जाता है।

4. हैश्यूर विधि तथा पर्वतीय छायाकरण विधि में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - हैश्यूर विधि द्वारा ढालों को प्रदर्शित करने के लिए महीन एवं खंडित रेखाएँ खींची जाती हैं। पास-पास एवं मोटी तथा गहरी रेखाएँ तीव्र ढाल को जबकि पतली एवं दूर-दूर पर खींची गई रेखाएँ मंद ढाल को प्रदर्शित करती हैं। पर्वतीय छायाकरण विधि द्वारा ढाल का प्रदर्शन रंगों की आभा द्वारा

किया जाता है। ढालू भाग को गहरे काले रंग से, जबकि ऊँचे भाग को उजली आभा से प्रदर्शित किया जाता है।

6. मानचित्र

1. भू-आकृतियाँ त्रिआयामी होती है, क्योंकि इनमें होती है -

(A) लंबाई

(B) चौड़ाई

(C) ऊँचाई

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

2. इनमें से कौन उच्चावच प्रदर्शन करने की विधि नहीं है ?

(A) स्तर रंजन

(B) सारणीयकरण

(C) हैश्यूर

(D) पर्वतीय छायांकण

Ans – A

3. उच्चावच प्रदर्शन के लिए हैश्यूर विधि का विकास किसने किया था?

(A) गुटेनबर्ग

(B) लेहमान

(C) गिगर

(D) रिटर

Ans – A

4. छोटी, महीन एवं खंडित रेखाओं का ढाल की दिशा में खींचकर उच्चावच प्रदर्शन की विधि को क्या कहा जाता है?

(A) स्तर रंजन

(B) पर्वतीय छायाकरण

(C) हैश्यूर

(D) तलचिह्न

Ans – A

5. पर्वतीय छायाकरण विधि में भू-आकृतियों पर किस दिशा से प्रकाश पड़ने की कल्पना की जाती है?

(A) उत्तर-पूर्व

(B) पूर्व-दक्षिण

(D) दक्षिण-पश्चिम

(C) उत्तर-पश्चिम

Ans – A

6. पर्वतीय देशों के उच्चावच को प्रभावशाली ढंग से किस विधि द्वारा दर्शाना संभव है?

(A) तल चिह्न विधि

(B) पर्वतीय छायाकरण विधि

(C) हैश्यूर विधि

(D) स्तर रंजन विधि

Ans – A

7. तल चिह्न की सहायता से किसी स्थान विशेष की मापी गई ऊँचाई को क्या कहा जाता है?

(A) स्थानिक ऊँचाई

(B) विशेष ऊँचाई

(C) समोच्च रेखा

(D) त्रिकोणमितीय स्टेशन

Ans – A

8. नक्शे पर जलीय भाग को किस रंग से दिखाया जाता है?

(A) काले रंग से

(B) भूरे रंग से

(C) नीले रंग से

(D) लाल रंग से

Ans – A

9. स्तर रंजन विधि के अंतर्गत मानचित्रों में नीले रंग से किस भाग को दिखाया जाता है?

(A) पर्वत

(B) पठार

(C) मैदान

(D) जल

Ans – A

10. स्तर रंजन विधि के अंतर्गत मानचित्रों में मैदान को किस रंग से दर्शाया जाता है?

(A) सफेद रंग

(B) नीला रंग

(C) लाल रंग

(D) हरा रंग

Ans – A

11. स्तर रंजन विधि के अन्तर्गत हल्के कत्थई रंग से किस स्थलाकृति को दिखाया जाता है?

(A) पर्वत

(B) पठार

(C) मैदान

(D) गुफा

Ans – A

12. स्तर रंजन विधि के अंतर्गत मानचित्रों में सफेद रंग से किस भाग को दिखाया जाता है?

(A) पर्वतीय क्षेत्र

(B) जलीय क्षेत्र

(C) बर्फीले क्षेत्र

(D) पठारी क्षेत्र

Ans – A

13. समुद्र की सतह के समानांतर समान ऊँचाई वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखा क्या कहलाती है?

(A) तल रेखा

(B) समोच्च रेखा

(C) स्तर रंजन रेखा

(D) रेखा चिह्न

Ans – A

14. ज्वालामुखी से यदि कोई पहाड़ी बनी है तो किस प्रकार दिखती है?

(A) गोलाकार

(B) बेलनाकार

(C) शंकुनुमा

(D) आयताकार

Ans – A

15. यदि समोच्य रेखाएँ एक-दूसरे से बहुत अधिक दूरी पर खींची गई हो, तो इनसे किस प्रकार की आकृति का प्रदर्शन होता है?

(A) खड़ी ढाल

(B) धीमी ढाल

(C) सागर तल

(D) सीढ़ीनुमा ढाल

Ans – A

16. वह कौन-सी भूआकृति है जिसका आधार काफी चौड़ा तथा शिखर काफी पतला अथवा नुकीला होता है?

(A) पठार

(B) पर्वत

(D) इनमें से कोई नहीं

(C) जलप्रपात

Ans – A

17. यदि समोच्च रेखाएँ संकेन्द्रीय वृत्ताकार हो, जिसके बीच का वृत्त अधिक ऊँचाई प्रदर्शित करता हो, तो इससे किस प्रकार की भू-आकृति का अनुमान लगाया जाता है?

(A) पर्वत

(B) पठार

(C) नदी घाटी

(D) जल प्रपात

Ans – A

18. किस भू-आकृति का आधार एवं शिखर दोनों चौड़ा एवं विस्तृत होता है?

(A) पर्वत

(B) पठार

(C) मैदान

(D) नदियाँ

Ans – A

19. यदि भू-आकृति चपटा उठा हुआ भू-भाग हो जिसका आधार एवं शिखर दोनों चौड़ा एवं विस्तृत हो तथा आस-पास के मैदान से ऊँचा उठा हुआ हो कहलाता है।

(A) पर्वत

(B) जलप्रपात

(C) पठार

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

20. यदि समोच्च रेखाओं द्वारा किसी नदी को प्रदर्शित करने में दो या दो से अधिक रेखाएँ एक ही बिन्दु पर मिलती द्विखाई गई हो, तो उस स्थान पर किस प्रकार की भू-आकृति का अनुमान लगाया जाता है?

(A) झील

(B) पर्वत

(C) जल प्रपात

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

21. यदि भूमि की ढाल को छोटी-छोटी और सटी हुई रेखाओं से प्रदर्शित किया गया हो तो इसे क्या कहा जाता है?"

(A) छायाकरण

(B) हैश्यूर

(C) समोच्च रेखाएँ

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

22. हैश्यूर विधि से अधिक ढालुओं वाला भाग कैसा दिखता है?

(A) सफेद

(B) काला

(C) नौला

(D) पीला

Ans – A